श्रार म - ज्लायन

('यमक'-'श्लेष'-मय काव्य)

७१० धीरेस्ट्र वर्मा पुरतक-संप्रह

रचियता **हषीकेश चतुर्वेदी**

शिवलाल अग्रवाल एएड कं. प्राइवेट लि. पुस्तक प्रकाशक तथा विकेता आगरा